हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 81 | हल्द्वानी (नैनीताल) रविवार 01 फरवरी 2026 | मूल्य रू 2 | पृष्ठ : 8

एक व्यापक और आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया

हल्द्वानी संवाददाता. /आमजन की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से नैनीताल पुलिस ने तड़के एक व्यापक और आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय, देहरादून से प्राप्त दिशा-निर्देशों के क्रम में एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी. सी. के निर्देशन में की गई।

अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. जगदीश चंद्रा एवं पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल ने किया। नैनीताल और हल्द्वानी सर्किल के अंतर्गत आने वाले सभी थाना क्षेत्रों में विशेष पुलिस टीमें गठित कर बस अड्डों, बैरियरों, राष्ट्रीय राजमार्गों, लिंक मार्गों, संवेदनशील क्षेत्रों तथा अंतरराज्यीय और अंतर्जनपदीय सीमाओं पर सघन चेकिंग की गई।चेकिंग के दौरान पुलिस टीमों ने संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की गहन तलाशी ली। अभियान का मुख्य फोकस मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों, प्रतिबंधित वस्तुओं और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने पर रहा।इस अभियान को सभी पुलिस उपाधीक्षकों और थाना प्रभारियों ने स्वयं मौके पर रहकर लीड किया।प्रात:कालीन इस ताबड़तोड़

अभियान के दौरान1302 व्यक्तियों और 574 वाहनों की जांच की गई।

संदिग्ध रूप से घूम रहे 05 लोगों को गिरफ्तार किया गया।11 व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस एक्ट में कार्रवाई की गई35 वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान किए गए

पुलिस ने की सहयोग की अपील

नैनीताल पुलिस ने स्पष्ट किया कि जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे आकस्मिक चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेंगे। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि चेकिंग के दौरान सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना, पुलिस कंट्रोल रूम या डायल 112 पर दें।

नशा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क पर करारा वार

रुद्रपुर संवाददाता. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के सख्त निर्देशों और प्रभावी नेतृत्व में पुलिस व एसटीएफ/एएनटीएफ कुमाऊं यूनिट की संयुक्त टीम ने अंतरजनपदीय नशा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क पर करारा वार किया है।इस संयुक्त कार्रवाई के दौरान कोतवाली किच्छा पुलिस एवं ैज्थ्/।छज्थ् कुमाऊं यूनिट ने एक शातिर अंतरजनपदीय नशा तस्कर सहनवाज को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 01 किलो 33 ग्राम स्मैक बरामद की है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब घ03 करोड़ 10 लाख आंकी गई है।पुलिस के

अनुसार, आरोपी सहनवाज कुमाऊं क्षेत्र में स्मैक की बड़ी खेप सप्लाई करने की साजिश रच रहा था, लेकिन सतर्क पुलिस टीम ने समय रहते इस मंसूबे को नाकाम कर दिया। यह खेप कुमाऊं में युवाओं को नशे की गिरफ्त में लेने के इरादे से लाई जा रही थी, जिसे पुलिस ने सप्लाई से पहले ही जब्त कर लिया।पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अंतरजनपदीय स्तर पर सक्रिय नशा तस्करों के नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। पुलिस अब उसके अन्य साथियों, सप्लाई चौन और नशे के नेटवर्क से जुड़े अहम लिंक खंगालने में जुटी है। संभावना जताई जा रही है कि इस गिरफ्तारी के बाद नशा तस्करी से जुड़े कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं।एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने इस सफलता पर पुलिस टीम की सराहना करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि उधम सिंह नगर पुलिस नशे के कारोबार को किसी भी सूरत में पनपने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि "नशा मुक्त देवभूमि" अभियान के तहत ऐसे अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त और प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

अंतर्राज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यकम की शुरुआत

देहरादून संवाददाता. मेरा युवा भारत देहरादून (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) के तत्वावधान में आज एस सी आर टी ननूर खेड़ा के परागण में अंतर राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेती आंदोलन के प्रेरणादायक कल्याण सिंह रावत जी एवं विशिष्ट अतिथि मेरा युवा भारत देहरादून उत्तराखंड के राज्य

निदेशक अनिल कुमार सिंह एवं सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरण विद श्री अवधेश शर्मा जी उपस्थित रहे मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को मोनिका नांदल उपनिदेशक द्वारा पुष्प कुछ सॉल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया तत्पश्चात राज्य निदेशक अनिल कुमार सिंह द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया और अपने वक्तव्य में कहा कि यहां कार्यक्रम एक दूसरे की संस्कृति सभ्यता का आदान-प्रदान के लिए मेरा युवा भारत द्वारा पूरे देश में संचालित किए जा रहे हैं इस कार्यक्रम का थीम एक भारत श्रेष्ठ भारत संस्कृति संवाद और सहयोग पर आधारित है इस कार्यक्रम में पंजाब राज्य के पांच जिला मोहाली संगरूर लुधियाना मानसा कपूरथला कुल 37 प्रतिभागी प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोनिका नांदल उपनिदेशक मेरा युवा भारत देहरादून द्वारा की जा रही है। प्रेस वार्ता में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पदमश्री कल्याण सिंह रावत द्वारा उत्तराखंड संस्कृत से संबंधित जानकारी दी गई ।

बालाजी कंपनी ने एसएसबी परिसर में हाइमास्क लाइट, इनवर्टर भेंट किये

सितारगंज, संवाददाता। बालाजी एक्शन बिल्डवेल कंपनी की ओर से 57वीं वाहिनी एसएसबी को दो हाईमास्क लाइट, इनवर्टर व बैटरी सिस्टम भेंट किये। कंपनी की ओर से शनिवार को बटालियन में इसकी स्थान कर शुभारम्भ किया।बालाजी एक्शन कंपनी की ओर से सीएसआर मद से एसएसबी परिसर में बेहतर विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा व विजिबिलिटी व ऑपरेशनल दक्षता के लिए हाईमास्क लाइट व इंवर्टर सिस्टम स्थापित किया। जिसका शुभारम्भ एसएसबी के कमांडेंट मनोहर लाल व बालाजी एक्शन कंपनी के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। बालाजी एक्शन बिल्डवेल कंपनी के सीएसआर टीम के अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी ने सुरक्षा बलों को स्पोर्ट करने और राष्ट्र सेवा में सार्थक योगदान देने के लिए प्रतिबद्धता को दिखाया। बेहतर लाइटिंग से बटालियन के अंदर सुरक्षा, विजिबिलिटी और ऑपरेशनल दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने बहादुर जवानों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए आभार जताया। कहा कि एसएसबी के अधिकारी व जवान समर्पण, अनुशासन और अटूट निष्ठा के साथ देश की सेवा कर रहे हैं। एसएसबी कमांडेंट मनोहर लाल ने बालाजी कंपनी का आभार जताया।

हिन्दी
दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

शासन को इरादा नहीं,डिलिवरी परिभाषित करती है

सरकार के दो परिवर्तनकारी कदमोंख्रपीएम गति शक्ति और प्रगतिख्र का विशाल परियोजनाओं की योजना बनाने, उन्हें कार्यान्वित करने और उनकी निगरानी करने पर गहरा असर पड़ा है। इस लेख में हम बाद वाले कदम के बारे में चर्चा कर रहे हैं।गति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) प्रारूप के तहत आयोजित 50वीं उच्च-स्तरीय समीक्षा दर्शाती है कि शासन के प्रति भारत सरकार के रुख और उसे संचालित करने के तरीके में बहुत बड़ा बदलाव आया है। यह बदलाव नीयत से डिलिवरी की ओर, प्रक्रियागत अनुपालन से परिणामों की ओर तथा बिखरी हुई सत्ता से समन्वित एवं समयबद्ध कार्यान्वयन की ओर संकेत करता है। इस प्रकार प्रगति केवल एक प्रशासनिक नवाचार भर नहीं है; बल्कि यह शासन की संरचना की सोच-विचार कर की गई पुनर्रचना का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब शासन के अन्य मॉडल विफल रहे, तब यह मॉडल परिणाम देने में कैसे सफल हुआ?प्रगति की आवश्यकतासार्वजनिक परियोजनाओं में देरी होना लगभग आम बात रही है। फिर भी, शायद ही कभी इस देरी कारण नीति में स्पष्ट जानकारी या वित्तीय मंजूरी का अभाव रहा। शासन प्रणालियों का बिखराव इस देरी का कारण रहा है। मंत्रालय ऊपरी से निचले स्तर तक या वर्टिकली कार्य करते हैं; राज्य और केंद्र क्रमिक रूप से काम करते हैं; और विवाद निपटाने के अधिकार-संपन्न मंच न होने के कारण, विवाद लंबित पड़े रहते हैं। गतिविधियाँ बढ़ने के बावजूद जवाबदेही कमजोर होती जाती है। मुख्य समस्या कमजोर तालमेल और साइलो-बेस्ड समीक्षा तंत्र रही हैं।इसके परिणामस्वरूप, परियोजना की डिलिवरी का व्यापक उद्देश्य अक्सर कहीं खो जाता है। कई परियोजनाएँ जमीनी विवाद, पर्यावरण या वन मंजूरी, नियामक अनुमोदन, संविदा से जुड़े विवादों या राज्यों के बीच तालमेल संबंधी चुनौतियों के कारण वर्षों तक अटकी रहीं। एक बहु-मंत्रालयीय और बहु-राज्यीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में, जहाँ प्रत्येक संस्था अपने अधिकार क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाए हुए होती है, किसी के लिए भी दूसरे को राजी करना कठिन हो जाता है।जब परियोजना की पूर्ति में कई राज्यों और मंत्रालयों को योगदान देना होता है, तो बैठकें करने, चर्चा करने, फील्ड दौरे करने, समितियाँ बनाने और अंतहीन पत्राचार करने की पुरानी प्रक्रिया बेअसर साबित होती है। यह एक ऐसा तरीका था, जिसमें चर्चा को निर्णय, गतिविधि को काम, गति को प्रगति और केवल नीयत को उपलब्धि समझ लिया जाता था।प्रगति का आगमनप्रगति निर्णय लेने, समन्वय करने और लागू करने के तरीके को नए तरीके से डिजाइन कर लगातार बनी रहने वाली इन संरचनात्मक कमियों को दूर करता है। प्रणालीगत समन्वयक के रूप में काम करते हुए यह मंत्रालयों, राज्यों और जिलों के निर्णयकर्ताओं को एक ही संस्थागत और डिजिटल मंच पर लाता है। यह फाइलों के आदान-प्रदान, क्षेत्राधिकार की अस्पष्टता और विभागीय पत्राचार के कारण होने वाली देरी को समाप्त करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कार्यान्वयन का विस्तृत दृष्टिकोण बहाल करता है, जिससे नेतृत्व फाइलों की लंबित स्थिति के बजाय प्रणाली से संबंधित रुकावटों की पहचान कर सकता है।प्रगति के तहत होने वाली समीक्षा की अध्यक्षता करने में माननीय प्रधानमंत्री की भूमिका इसकी सफलता के लिए बहुत जरूरी है। उनका सीधा जुड़ाव इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि डिलिवरी राष्ट्रीय प्राथमिकता है और कार्यान्वयन की विफलताओं पर सर्वोच्च स्तर पर ध्यान दिया जाएगा। यह निर्णायक कार्रवाई को सुगम बनाता है और समीक्षा को परिणामों के लिए एक बाध्यकारी ढांचे में बदल देता है। इन समीक्षाओं के दौरान लिए गए निर्णय अंतिम, समयबद्ध और डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किए जाते हैं, जिससे जवाबदेही स्पष्ट और लागू करने योग्य होती है।प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करती है। रीयल-टाइम डेटा, जियो-स्पैशियल विजुअलाइजेशन और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ सीधे संवाद हितधारकों के बीच जानकारी की असमानता समाप्त करते हैं और निर्णयों को साक्ष्यों के आधार पर लिया जाना सुनिश्चित करते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रौद्योगिकी प्रशासनिक निर्णय क्षमता को बदलने के बजाय उसे सुदृढ़ करती है, जिससे प्रणाली के भीतर नेतृत्व की जिम्मेदारी और मजबूत होती है।प्रगति में समापन पर जोर दिया जाता है और यही बात उसे पहले के समीक्षा तंत्रों से अलग बनाती है। समस्याएँ तब तक सक्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें हल नहीं किया जाता, और उन्हें लगातार कैबिनेट सचिवालय और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा ट्रैक किया जाता है। केवल स्पष्टीकरण देना अब परिणामों का विकल्प नहीं है। समय के साथ, इस अनुशासन ने प्रशासनिक व्यवहार को बदल दिया है, जिससे मंत्रालयों और राज्यों को समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने और उन्हें बढ़ने से पहले हल करने की प्रवृत्ति बढ़ी है परिणामपरिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं और आकलन करने योग्य हैं। 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं में तेज गति से काम हुआ गई है। हाल के वर्षों में, प्रगति के तहत पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) की दस परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिससे अड़चनों का जल्द समाधान हुआ और तेजी से कार्यान्वयन संभव हुआ।

बिना रुकावट के शासन: बुनियादी ढांचे के लिए भारत की संस्थागत संरचना

अरिहन्त कुमार

आजादी के बाद से, बुनियादी ढांचे ने भारत की प्रगति की सोच को आकार दिया है। कल्पना साफ थी: रेलवे दूर-दराज के इलाकों को जोड़ेगी, राजमार्ग राज्यों के बीच व्यापार करेंगे, बांध ऊर्जा और सिंचाई का आधार बनेंगे, और बिजली की लाइनें सबसे दूर के गांवों तक रोशनी पहुंचाएंगी। जैसे-जैसे प्रोजेक्ट बड़े होते गए, वे और भी उलझते गए। जमीन मंजूरी का इंतजार करती रही, मंजूरी डिजाइनों का इंतजार करती रहीं, डिजाइन उपयोग बदलने का इंतजार करते रहे, और इसके लाभ दूसरे कार्यालय, दूसरे अधिकार क्षेत्र, दूसरी फाइल में दबी मंजूरियों का इंतजार करती रहीं। हर देरी का एक कारण था, हर कारण का कोई जिम्मेदार था, और फिर भी कोई भी असल में नतीजे की जिम्मेदारी नहीं लेता था। सालों तक, अनेक परियोजनाएं टुकड़ों-टुकड़ों में चलती रही, जिनकी समीक्षा अलग-अलग की गई, बाद में सफाई दी गई, और हमेशा के लिए देरी होती रही। जब तरक्की रुकी, तो जिम्मेदारी प्रक्रिया में घुल गई। हर जगह हलचल थी, लेकिन कहीं भी गति नहीं थी।जिस चीज की कमी थी, वह इरादा या निवेश नहीं था, बल्कि एक ऐसा फोरम था जहाँ आपस में जुड़ी हुई रुकावटों को एक साथ देखा जा सके, एक साथ सुलझाया जा सके और उन्हें खत्म किया जा सके। प्रोजेक्ट गवर्नेंस में इसी शांत लेकिन महत्वपूर्ण कमी को प्रगति के नेतृत्व वाले इकोसिस्टम ने भरने का बीड़ा उठाया।प्रगति, समीक्षा की एक नई परत के रूप में नहीं आई, बल्कि एक ऐसे जंक्शन के रूप में आई जहाँ समानांतर ट्रैक आखिरकार मिले। इसकी कल्पना 2015 में की गई, यह देखने में एक आसान सा विचार था: कि निगरानी से फैसले होने चाहिए, और फैसलों का नतीजा डिलीवरी होना चाहिए। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में, यह केन्द्रीय सचिवों और राज्य के मुख्य सचिवों को एक साथ लाया, और उन लोगों को एक साथ जोड़ा जिनके पास राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं और उनकी रुकावटों के बारे में एक ही, साझा नजरिए के साथ काम करने की शक्ति थी। उस कमरे में, देरी अब भाषा के पीछे छिप नहीं सकती थी। विशेष उपलब्धियों की जांच की गई, मुद्दों को सामने लाया गया, और सीधे सवाल पूछे गए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिम्मेदारी का एक नाम, एक निर्धारित समय और वापस आने की तारीख तय की गई।फिर भी, प्रगति की असली कहानी सिफ इन उच्चस्तरीय समीक्षाओं के दौरान सामने नहीं आती। यह उस शांत, लगातार चल रहे काम में जिंदा रहती है जो इनसे पहले और बाद में होता है। यह तैयारी का अनुशासन, संस्थागत स्मृति और फॉलो-थ्रू प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा प्रदान किया जाता है, जो इस ईकोसिस्टम परिचालन की रीढ़ है।मैंने पीएमजी को उस तरह से बढ़ते देखा है जैसे संस्थाएं शायद ही कभी बढ़ती हैं, धैर्य और उद्देश्य के साथ। जो एक साधारण डिजिटल इंटरफेस के रूप में शुरू हुआ था, वह एक परिपक्व, टेक्नोलॉजी-संचालित, उपलब्धियों पर आधारित निगरानी प्लेटफॉर्म में विकसित हो गया है जिसने भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नजर रखने और समाधान का तरीका बदल दिया है। इस वास्तुकला के भीतर, पीएमजी समेकन और विश्लेषण के पहले बिंदु के रूप में कार्य करता है, जो प्रहरी और संचारक दोनों के रूप में काम करता है। टीम परियोजनाओं पर बारीकी से नजर रखती है, जमीनी हकीकत सुनती है, दावों को प्रमाणित करती है, और जटिल इनपुट को प्रगति के तहत उच्च-स्तरीय समीक्षाओं के लिए संरचित जानकारियों में बदलती है। जो जानकारी पहले फाइलों, पत्राचार और समय-समय पर होने वाली समीक्षाओं में बिखरी रहती थी, वह अब एक ही डिजिटल सिस्टम में समेकित हो गई है, जिसमें प्रगति, लागत, समय-सीमा, उपलब्धि और जमीन से मिली तस्वीरों के सबूतों पर वास्तविक समय के आंकड़े शामिल है। आज, कैबिनेट द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट मंजूरी के कुछ ही दिनों के भीतर सिस्टम में आ जाते हैं, उनकी यात्रा लगातार डेटा प्रवाह के माध्यम से मैप की जाती है जिससे पिछली रिपोर्टिंग के बजाय मौजूदा वास्तविकताओं के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं।इस प्लेटफॉर्म की सबसे खास बात इसकी ढांचागत परियोजना और इश्यू ट्रैकिंग फ्रेमवर्क है। कार्यान्वयन में आने वाली रुकावटें अब चि;ियों या अटैचमेंट में छिपी नहीं रहतीं; उन्हें औपचारिक तौर पर लॉग किया जाता है, टाइम-स्टैम्प किया जाता है, और संबंधित साझेदार को समाधान के लिए तय टाइमलाइन के साथ साफ तौर पर जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसमें शुरू से ही पारदर्शिता शामिल है। केन्द्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें, जिला प्रशासन और परियोजना चलाने वाले सभी एक ही जानकारी एक साथ देखते हैं, टिप्पणियां दे सकते हैं, अपडेट अपलोड कर सकते हैं और काम पूरा होने तक प्रगति पर निगरानी रख कर सकते हैं।यह साझा विजिबिलिटी जवाबदेही को पूरी तरह से बदल देती है। रोल-बेस्ड डैशबोर्ड पर्सनलाइज्ड व्यू देते हैं, जिससे सीनियर लीडरशिप से लेकर जिला प्रशासन तक के अधिकारी यह देख पाते हैं कि उनके अधिकार क्षेत्र में किस चीज पर ध्यान देने की जरूरत है। ऑटोमेटेड अलर्ट, रिमाइंडर और कम्प्लायंस ट्रैकिंग यह पक्का करते हैं कि मुद्दे समय के साथ खत्म न हों, बल्कि समाधान होने तक बार-बार सामने आते रहें। मीटिंग के एजेंडा, मिनट्स और समीक्षा दस्तावेज सीधे डेटा से जेनरेट होते हैं, जिससे रूटीन रिपोर्टिंग का काम कम होता है और फैसले लेने पर फोकस बढ़ता है।नतीजतन, ज्यादातर मुद्दे इस टेक्नोलॉजी-सक्षम समन्वय के जरिए चुपचाप हल हो जाते हैं, जबकि ज्यादा जटिल, अंतर-मंत्रालयी रुकावटों को एक कैलिब्रेटेड फ्रेमवर्क के जरिए टॉप प्लेटफॉर्म तक पहुंचाया जाता है। यह वृद्धि नाटकीय नहीं होती; यह सोच समझकर की जाती है। इस तरह, पीएमजी को केंद्र में रखकर बनाया गया यह प्रगति इकोसिस्टम, टेक्नोलॉजी और गवर्नेंस को जोड़ता है, डेटा को फैसलों में और फैसलों को डिलीवरी में बदलता है। इस सिस्टम में, काम पूरा होना सिर्फ एक उम्मीद नहीं है, बल्कि एक अपेक्षा है।मैंने देखा है कि मंत्रालयों और राज्यों में व्यवहार कैसे बदला है। जब हर कोई एक ही सच देखता है, तो बिखराव असहज हो जाता है। जब किसी व्यवस्था में सीधे प्रधानमंत्री की देखरेख में देरी को उजागर किया जाता है, उसका नाम लिया जाता है और उस पर दोबारा विचार किया जाता है, तो देरी करना मुश्किल हो जाता है। जो परियोजनाएं सालों से अटकी पड़ी थी - एयरपोर्ट, रेल लाइनें, हाईवे, पावर कॉरिडोर - वे चलने लगे, इसलिए नहीं कि उनकी प्रकृति बदल गई, बल्कि इसलिए कि उनके आसपास की धुंध छंट गई।आज, 85 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की तीन हजार से ज्यादा परियोजनाएं इस इकोसिस्टम से गुजर रही हैं। मुद्दे उठते हैं, सुलझते हैं और एक तय संस्थागत लय के साथ खत्म होते हैं। यह गवर्नेंस का नाटक नहीं है; यह उसका अनुशासन है। नागरिकों के लिए, इसका असर अमूर्त नहीं है। यह उस पुल में महसूस होता है जो आखिरकार खुलता है, उस ट्रेन में जो समय पर चलती है, उस एयरपोर्ट में जो अब सिफ घोषणाओं में मौजूद नहीं है। हर पूरा होने वाला काम चुपचाप इस विश्वास को बहाल करता है कि सरकार समय का पालन करे, जिससे जनता का पैसा जनता के काम आ सके।जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, पूंजी मायने रखेगी, महत्वाकांक्षा मायने रखेगी, लेकिन डिलीवरी सबसे ज्यादा मायने रखेगी और डिलीवरी महत्वपूर्ण बाधाओं को दूर करने या कभी-कभार के हस्तक्षेप पर निर्भर नहीं रह सकती। यह सिस्टम में शामिल, नियमित और मजबूत होनी चाहिए। यही प्रगति इकोसिस्टम की मौन उपलब्धि है। इसने गवर्नेंस को वह दिया है जिसकी उसे लंबे समय से कमी थी: समय का प्रबंधन करने का एक तरीका। अधिकार को जवाबदेही के साथ, डेटा को फैसलों के साथ, और मॉनिटरिंग को काम पूरा होने के साथ जोड़कर, इसने देरी को एक बर्दाश्त की जाने वाली आदत से एक अस्वीकार्य नतीजे में बदल दिया है। ऐसा करते हुए, यह हमें याद दिलाता है कि प्रगति हमेशा जोरदार नहीं होती। कभी-कभी, यह एक ऐसे तंत्र के रूप में आती है जो बस चीजों को हाथ से निकलने नहीं देता।

हिन्दी दैनिक जोखिम

कोटद्वार में विकास और प्रकृति संरक्षण का संगम, मुख्यमंत्री ने बर्ड वाचिंग फेस्टिवल का किया शुभारंभ

- कोटद्वार में मुख्यमंत्री की बड़ी सौगात, 326 करोड़ से अधिक की 61 योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

- कोटद्वार में बर्ड फेस्टिवल का आगाज, करोड़ों की योजनाओं से विकास को नयी गति, बहुत बड़ी संख्या में जनसमूह रहा उपस्थित

- बर्ड वॉचिंग फेस्टिवल से कोटद्वार को नई पहचान, इको-टूरिज्म और पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा: मुख्यमंत्री

कोटद्वार संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोटद्वार में आयोजित बर्ड फेस्टिवल में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने जनपद के विभिन्न विकासखंडों के लिए करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोटद्वार पहुंचकर सबसे पहले दिव्यांग बालक-बालिकाओं से मिलकर उनसे संवाद किया तथा उनकी शिक्षा के बारे में जाना। उसके बाद उन्होंने सिद्धबली मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने सनेह क्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय बर्ड वाचिंग फेस्टिवल का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने मुख्यमंत्री धामी तथा अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। साथ ही राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कोटद्वार की छात्राओं ने लोकभाषा गढ़वाली में स्वागत गान गाकर अतिथियों का अभिनंदन किया। हेरिटेज स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों की पक्षी एवं प्रकृति संरक्षण पर शानदार प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा कुल 61 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इनमें 21 योजनाओं का शिलान्यास शामिल रहा, जिनकी कुल अनुमानित लागत 8,172.78 लाख रुपये रही। वहीं 40 योजनाओं का लोकार्पण किया गया, जिनकी कुल लागत 24,439.55 लाख रुपये रही। इस प्रकार कुल 32,612.33 लाख रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने फेस्टिवल परिसर में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया, जिनमें पक्षियों की फोटो प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पक्षी पहचान एवं संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल अत्यंत सराहनीय हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21वां दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा और इसमें महिलाओं का योगदान सर्वाधिक रहेगा। महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद गुणवत्ता में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों से भी बेहतर हैं। मुख्यमंत्री ने कोटद्वार क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि बस टर्मिनल, आयुष चिकित्सालय, खोह नदी को प्रदूषण मुक्त करने हेतु एसटीपी की स्थापना, मालन नदी पर 26 करोड़ रुपये से अधिक लागत से पुल निर्माण तथा कोटद्वार-नजीबाबाद फोर लेन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए घोषणाएँ करते हुए कहा कि हल्दूखाता में नगरीय पेयजल योजना की खनन प्रभावित जीर्ण शीर्ण पाइपलाइन का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में दो कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय, विज्ञान कक्ष, कंप्यूटर कक्ष तथा चहारदीवारी का निर्माण कराया जाएगा। कोटद्वार में खोह नदी के दायें तट पर स्थित जीतपुर गांव में बाढ़ सुरक्षा कार्य किए जाएंगे। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र झंडीचौड़ में 108 एम्बुलेंस सेवा की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। साथ ही राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में चहारदीवारी का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक पक्षी प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर हैं, जिनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बर्ड फेस्टिवल कोटद्वार क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैव विविधता की दृष्टि से देश के समृद्ध राज्यों में शामिल है, जहाँ लगभग 71 प्रतिशत भूभाग वन क्षेत्र से आच्छादित है। राज्य पर्यावरण संरक्षण में देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहां प्रतिवर्ष लाखों प्रवासी पक्षी आते हैं तथा देश में पाई जाने वाली लगभग 1300 पक्षी प्रजातियों में से 400 से अधिक दुर्लभ एवं सुंदर प्रजातियाँ उत्तराखण्ड में पाई जाती हैं। मुख्यमंत्री ने सुरखाब पक्षी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सुनहरे पंखों वाला दुर्लभ पक्षी सर्दियों के मौसम में उत्तराखण्ड आता है, जिस पर प्रचलित कहावत है कि "सुरखघब के पंख लगे हैं क्या"। उन्होंने कहा कि पक्षी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ बीज प्रसार एवं पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संक्षिप्त समाचार...

गुरु रविदास जयंती की पूर्वसंध्या पर मुख्यमंत्री धामी का संदेश

- संत रविदास जी की शिक्षाएँ समानता, मानव सेवा और सामाजिक समरसता की आधारशिला

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संत रविदास जयंती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संत रविदास जी की गणना भारत के महान संतों में की जाती है। उन्होंने जीवनपर्यंत मानव सेवा को अपना लक्ष्य बनाए रखा तथा समाज को समानता, एकता और भाईचारे का संदेश दिया।मुख्यमंत्री ने गुरु रविदास की जयंती की पूर्वसंध्या पर जारीअपने संदेश में कहा कि संत रविदास जी ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने की प्रेरणा दी। उन्होंने छुआछूत, सामाजिक असमानता और कुरीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद की तथा प्रेम, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का सपना एक ऐसे समाज का था जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार, सम्मान और अवसर प्राप्त हों। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के लिए प्रासंगिक एवं प्रेरणादायक हैं।मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे संत रविदास जी की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए सभी की भलाई के लिए कार्य करें तथा उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज में व्याप्त बुराइयों एवं कुरीतियों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कामना की कि संत रविदास जी की शिक्षाएँ सभी के जीवन में शांति, सद्भाव और सकारात्मकता का संचार करें तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो।

मंत्री गणेश जोशी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

देहरादून संवाददाता. कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी का जन्मदिन स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य समेत तमाम विधायकों ने जोशी को जन्मदिन की बधाई दी। शनिवार को अपने जन्मदिवस पर जोशी ने सर्वप्रथम अपनी माता मोहिनी जोशी का आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत उन्होंने गुच्छुपानी स्थित माता भद्रकाली मंदिर में जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पूजा अर्चना की। मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सपरिवार माता भद्रकाली मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन-यज्ञ कर मां काली का आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। पत्नी निर्मला जोशी के साथ मंदिर परिसर में पौधारोपण किया।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की कुंजी है खेल : रेखा आर्या

देहरादून संवाददाता. शनिवार को खेल मंत्री रेखा आर्या ने उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित अनिल नेगी स्मृति शूटिंग चौंपियनशिप 2026 के विजेताओं को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में रश्मि खत्री महिला वर्ग और जितेंद्र नेगी पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर रहे। उत्तरांचल प्रेस क्लब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि खेल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की कुंजी है। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं, इसलिए उनका पूर्ण स्वस्थ समाज के लिए एक धरोहर समान है। खेल मंत्री ने कहा कि पत्रकारों को भी अपनी दिनचर्या में रोजाना कम से कम एक घंटा किसी न किसी खेल के लिए निकलना चाहिए।

सूचना विभाग में शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

देहरादून संवाददाता. सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड के मुख्यालय में आयोजित सेवानिवृत्त कार्यक्रम में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी जगदीश सिंह पटवाल एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दिनेश सिंह राणा को भावभीनी विदाई दी गई। अपर निदेशक सूचना आशिष कुमार त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक डॉ. . नितिन उपाध्याय, उप निदेशक रवि विजारनिया एवं अन्य अधिकारीगण व कर्मचारियों द्वारा पटवाल एवं राणा को शॉल एवं स्मृति चिन्ह् प्रदान किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर निदेशक सूचना आशिष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि किसी भी कार्मिक द्वारा 40 और 34 वर्ष की सेवा करना ही अपने आप में गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिक अपने साथ सेवा का लंबा अनुभव साथ लेकर जाते है। हम सभी को आपसी संबंध और अधिक बेहतर बनाने चाहिए। आपसी संबंध के कारण हम सभी एक दूसरे से जुड़े रहते है। त्रिपाठी ने कहा कि सूचना संघ को भविष्य में सेवानिवृत्त कार्मिकों हेतु कार्यक्रम करना चाहिए। इससे पुराने और नये कार्मिकों के विचारों का आदान-प्रदान होगा। त्रिपाठी ने मुख्य प्रशासनिक अधिकारी जगदीश सिंह पटवाल एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दिनेश सिंह राणा द्वारा विभाग में दिये गये योगदान की सराहना की।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संयुक्त निदेशक डॉ. . नितिन उपाध्याय ने कहा कि विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता है। विभाग की प्रगति में सेवानिवृत्त कार्मिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। इस अवसर पर फोटो फिल्म अधिकारी शेखर चन्द्र जोशी, सहायक लेखाकार कीर्ति सिंह पंवार, व्यवस्थाधिकारी रामपाल सिंह रावत द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम का संचालन प्रशासनिक अधिकारी विजय कुमार द्वारा किया गया।कार्यक्रम में एल.पी.भट्ट सहायक निदेशक, मनोज कुमार शुक्ला, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सहायक लेखाकार राकेश कुमार धीमान, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रणजीत सिंह बुदियाल, सहित सूचना कर्मचारी संघ के महामंत्री अंकित चौहान, उपाध्यक्ष प्रशांत रावत, संगठन मंत्री सत्येन्द्र विजल्वाण सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

टिहरी क्षेत्र की 53 किमी सड़कों के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू

नई टिहरी संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा पर टिहरी विधानसभा क्षेत्र की 53 किमी सड़कों पर मरम्मत कार्य और दो नई सड़कों का निर्माण करने के लिए लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी ने कवायद शुरू कर दी है। सड़कों के पुनर्निर्माण और नई सड़कों के निर्माण पर लगभग 30 करोड़ की धनराशि खर्च होने की उम्मीद है। विभागीय अधिकारियों ने सर्वे पूरा कर लिया है। 25 फरवरी तक डीपीआर गठित कर कार्यों को ऑनलाइन अपलोड करने की अंतिम तिथि निर्धारित की है। सीएम धामी ने विधायक किशोर उपाध्याय की मांग पर विधानसभा क्षेत्र की लगभग 200 किमी सड़कों पर मरम्मत कार्य करने की घोषणा की थी जिसमें कुछ सड़के लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी और कुछ मार्ग लोनिवि चंबा के अधीन है। लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी ने अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली लगभग 53 किमी सड़कों पर मरम्मत कार्य और दो नए कार्यों का सर्वे पूरा कर लिया है। लोनिवि प्रांतीय खंड के ईई योगेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत नई टिहरी नगर क्षेत्र की लगभग नौ किमी सड़क का नवीनीकरण भी किया जाना है। रौड़धार-पौड़ीखाल-गराकोट-जाखणीधार का 27 किमी और अंजनीसैंण-बैसोली-पुनाणू-कपरियासैंण मार्ग का 10 किमी नवीनीकरण किया जाना है। जाखणीधार से डांडा बस्ती हुए कोशियार तहसील बैंड, कोटी-गराकोट, अखोड़ी गदेरा से कोटी गांव तक, टिपरी-रौड़धार मार्ग के रतोली से अंदेठी, निरालीधार लोणतर पाली मोटर मार्ग के ग्वीलीसेरा तक प्रथम चरण का कार्य किया जाना है। जाखणीधार कोटी-गराकोट से छेटी तक द्वितीय चरण का कार्य होना है। बताया कि सहायक अभियंता सतीश चंद्र भट्ट, अपर सहायक अभियंता जय प्रकाश भट्ट, पूजा जोशी, विनय कुमार को पृथक-पृथक जिम्मेदारी देकर 25 फरवरी तक ऑनलाइन अपलोड की प्रक्रिया पूरा करने का समय दिया गया है।

ज्योतिर्मठ में ध्वस्त होंगे भू धंसाव के समय जर्जर हुए 55 भवन, टेक्निकल टीम ने किया सर्वे

चमोली संवाददाता. तीन साल पहले भू धंसाव से जर्जर हुए ज्योतिर्मठ में 55 भवनों का जल्द ध्वस्तीकरण किया जाएगा। प्रशासन की ओर से इन भवनों का टेक्निकल टीम द्वारा सर्वे करवाया जा चुका है। ज्योतिर्मठ में साल 2023 के जनवरी माह में अचानक भू धंसाव शुरू हो गया था। इससे बड़ी संख्या में आवासीय भवन जर्जर हो गए। कई लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े। ऐसे अधिकांश भवन स्वामियों को प्रशासन की ओर से मुआवजा वितरित किया जा चुका है। भू धंसाव के समय ही प्रशासन ने कई जर्जर भवनों को ध्वस्त करवा दिया था। अब 55 ऐसे भवन चिह्नित किए गए हैं जिनको ध्वस्त किया जाना है। इन भवनों का लोक निर्माण विभाग की टीम ने सर्वे किया था, जिसमें इन भवनों को निष्प्रयोजित बताते हुए इनको ध्वस्त करने पर जोर दिया था। अब प्रशासन ने इन भवनों को ध्वस्त करने को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि कुछ दिनों में इन भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। इन भवनों को भवन स्वामी पहले ही खाली कर चुके हैं। इनमें काफी दरारें आ रखी हैं। जमीन धंसने से इनकी मरम्मत भी संभव नहीं है। नगर में भू धंसाव के दौरान जर्जर हुए भवन जो रहने लायक नहीं हैं उन भवनों का जल्द ध्वस्तीकरण किया जाएगा। करीब 55 भवनों को ध्वस्तीकरण के लिए चिह्नित किया गया है। तकनीकी टीम ने इन भवनों का निरीक्षण कर दिया है। - चंद्रशेखर वशिष्ठ, उपजिलाधिकारी ज्योतिर्मठ

चंडी प्रसाद भट्ट ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण की दी जानकारी

चमोली संवाददाता. अटल उत्कृष्ट विद्यालय जीआईसी रडुवा चांदनीखाल के छात्र-छात्राएं शनिवार को शैक्षिक भ्रमण पर गोपेश्वर पहुंचे। उन्होंने प्रख्यात पर्यावरणविद चंडी प्रसाद भट्ट के आवास पर जाकर पर्यावरण संरक्षण की बारीकियां जानी। प्रधानाचार्य संजय कुमार के नेतृत्व में कक्षा नौ और 10वीं के छात्र-छात्राओं ने गोपेश्वर क्षेत्र के मंडल स्थित जड़ी बूटी शोध संस्थान में जाकर कई तरह की जानकारी हासिल की। संस्थान के विशेषज्ञों ने जड़ी बूटी के उत्पादन, उपयोग की जानकारी दी। बैरागना स्थित ट्राउट फिश सेंटर का भी भ्रमण कर मत्स्य पालन के बारे में जाना। छात्र-छात्राओं ने पर्यावरणविद् स्व. मुरारी लाल द्वारा बैरागना में विकसित किए गए मिश्रित वन का भी भ्रमण किया।

अपर जिलाधिकारी से समस्याओं के निस्तारण की मांग की

चमोली संवाददाता. उक्रांद की नंदानगर ब्लॉक इकाई के पदाधिकारियों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के लिए जनांदोलन शुरू करने का एलान किया है। शनिवार को दल के कार्यकर्ताओं ने अपर जिलाधिकारी से भेंट कर उनके सम्मुख क्षेत्र की समस्याएं रखीं। उन्होंने नंदानगर के लक्ष्मी बाजार के ऊपरी हिस्से में विगत वर्ष हुए भूधंसाव का भूगर्भीय सर्वेक्षण कर शीघ्र ट्रीटमेंट कार्य शुरू करने की मांग उठाई है। केंद्रीय प्रवक्ता अंकेश भंडारी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने एडीएम से भेंट कर कहा कि नंदप्रयाग-नंदानगर सड़क के चौड़ीकरण कार्य समय पर काम किया जाए।

पीएमजीएसवाई से हटाकर लोनिवि को हस्तांतरित हुई अपर चमोली-खेनुरी सड़क

चमोली संवाददाता. तहसील और जिला मुख्यालय के नजदीक होने के बावजूद भी अपर चमोली-खेनुरी मोटर मार्ग (9.63 किमी) की बदहाल स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने इसे पीएमजीएसवाई पोखरी से हटाकर प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग गोपेश्वर को हस्तांतरित कर दिया है। स्थानीय जनता लंबे समय से सड़क को लोनिवि को हस्तांतरित करने की मांग कर रही थी। खेनुरी सड़क पिछले एक दशक से भूधंसाव की चपेट में है। कई जगहों पर सड़क के पुश्ते और नाली क्षतिग्रस्त पड़े हैं। इसके चलते वाहनों की आवाजाही मुश्किल से हो पा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क के संरक्षण का काम लोनिवि को सौंपने की मांग उठाई। साथ ही इसके लिए क्षेत्र में कई दिनों तक आंदोलन भी किया गया। मगर न तो सड़क की स्थिति सुधरी और ना ही सड़क का हस्तांतरण हो पाया। प्रधान संगठन की जिलाध्यक्ष व ग्राम प्रधान खेनुरी योगिता रावत ने सड़क को पीएमजीएसवाई से हटाकर लोनिवि को दिए जाने के संबंध में बीते दिसंबर में जिला प्रशासन से लेकर शासन स्तर पर लिखित कार्रवाई की। अब जिला प्रशासन की ओर से सड़क को लोनिवि को हस्तांतरित कर दिया गया है। लोनिवि के ईई नवीन ध्यानी ने बताया कि खेनुरी सड़क लोनिवि के हेंडओवर हो गई है। सड़क को सुधारने के लिए इस्टीमेट तैयार किया जा रहा है, शीघ्र सड़क की दशा सुधार ली जाएगी।

ज्योतिर्मठ में ध्वस्त होंगे भू धंसाव के समय जर्जर हुए 55 भवन

चमोली संवाददाता. तीन साल पहले भू धंसाव से जर्जर हुए ज्योतिर्मठ में 55 भवनों का जल्द ध्वस्तीकरण किया जाएगा। प्रशासन की ओर से इन भवनों का टेक्निकल टीम की ओर से सर्वे करवाया जा चुका है। ज्योतिर्मठ में साल 2023 के जनवरी में अचानक भू धंसाव शुरू हो गया था। इससे बड़ी संख्या में आवासीय भवन जर्जर हो गए। कई लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े। ऐसे अधिकांश भवन स्वामियों को प्रशासन की ओर से मुआवजा वितरित किया जा चुका है। भू धंसाव के समय ही प्रशासन ने कई जर्जर भवनों को ध्वस्त करवा दिया था। अब 55 ऐसे भवन चिह्नित किए गए हैं जिनको ध्वस्त किया जाना है। इन भवनों का लोक निर्माण विभाग की टीम ने सर्वे किया था, जिसमें इन भवनों को निष्प्रयोजित बताते हुए इनको ध्वस्त करने पर जोर दिया था। माना जा रहा है कि कुछ दिनों में इन भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। इन भवनों को भवन स्वामी पहले ही खाली कर चुके हैं। जमीन धंसने से इनकी मरम्मत भी संभव नहीं है।नगर में भू धंसाव के दौरान जर्जर हुए भवन जो रहने लायक नहीं हैं उन भवनों का जल्द ध्वस्तीकरण किया जाएगा। करीब 55 भवनों को ध्वस्तीकरण के लिए चिह्नित किया गया है। तकनीकी टीम ने इन भवनों का निरीक्षण कर दिया है। - चंद्रशेखर वशिष्ठ, उपजिलाधिकारी ज्योतिर्मठ

कौशल को विद्यार्थियों तक पहुंचाने का काम करें शिक्षक

नई टिहरी संवाददाता. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत कौशल-आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सेवारत शिक्षकों का डायट में पांच दिवसीय आर्ट एंड क्राफ्ट कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला में कला-समेकित शिक्षा, व्यावसायिक कौशल विकास और स्थानीय सामग्री के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया।कार्यशाला के क्राफ्ट सत्रों में प्रतिभागी शिक्षकों को स्थानीय प्राकृतिक संसाधन रिंगाल से विभिन्न प्रकार की उपयोगी और सजावटी वस्तुएं तैयार करना सिखाया गया। इसमें टोकरी, पेन स्टैंड सहित अन्य आकर्षक हस्तनिर्मित सामग्री बनाई गई। रिंगाल आधारित हस्तशिल्प के माध्यम से प्रतिभागियों को आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय पारंपरिक ज्ञान से जोड़ने का प्रयास किया गया। आर्ट सत्रों के अंतर्गत विद्यालय परिसर की दीवारों को कलात्मक रूप से सजाया गया। प्रतिभागियों ने रंगों और आकृतियों के माध्यम से शिक्षा, प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को दीवार चित्रों में उकेरते हुए परिसर को जीवंत स्वरूप प्रदान किया। राजेंद्र बड़वाल ने रिंगाल से तैयार किए जाने वाले उत्पादों का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने शिक्षकों को रिंगाल शिल्प की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। समापन अवसर पर प्रभारी प्राचार्य देवेंद्र सिंह भंडारी ने शिक्षकों से कार्यशाला में अर्जित ज्ञान और कौशल को विद्यालयों में विद्यार्थियों तक पहुंचाने की अपील की। इस मौके पर कार्यक्रम समन्वयक नरेश चंद कुमाई, डॉ. वीर सिंह रावत, विनोद पेटवाल, सीमा शर्मा, डॉ. मनवीर नेगी, दिव्या नौटियाल, गीता खुगसाल, माधुरी दीक्षित, डॉ. अजय जोशी, डोली आर्या, मनोज कुमार, बीना शर्मा, रजनीश नौटियाल, राधा प्रजापति, प्रीति कश्यप आदि मौजूद रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा की बौद्धिक राष्ट्रीय परीक्षा संपन्न

नई टिहरी संवाददाता. भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक समस्याओं के निदान के उद्देश्य से भारत बौद्धिक राष्ट्रीय परीक्षा महाविद्यालय में आयोजित की गई। परीक्षा में राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर के 45 छात्र- छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की ओर से आयोजित यह परीक्षा एक राष्ट्रव्यापी बौद्धिक मंथन है जिसमें युवाओं की प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा की सुचिता और निष्पक्षता के लिए परीक्षा के नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र नौटियाल और केंद्र अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. प्रणिता नंद के नेतृत्व में चाक चौबंद व्यवस्था की गई। कॉलेज मीडिया समिति के सदस्य डॉ. विक्रम सिंह बर्त्वाल ने बताया कि परीक्षा केंद्र से कुल 101 छात्रों ने पंजीकरण कराया। उनमें से 45 छात्रा-छात्राओं ने ही परीक्षा में प्रतिभाग किया जिसमें 37 छात्राएं और 8 छात्र शामिल थे।

कफ्फू चौहान ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में सेम टाइगर टीम बनी विजेता

नई टिहरी संवाददाता. उप्पू सिराई में आयोजित वीर कफ्फू सिंह चौहान ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में सेम टाइगर टीम विजेता और उप्पू की टीम को उपविजेता रही। विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शनिवार को उप्पू सिराई में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में सेम टाइगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 14 ओवर में 120 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी उप्पू की टीम 95 रन पर ऑल आउट होकर 25 रनों से हार गई। मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला और भाजपा नेता डॉ. प्रमोद उनियाल ने विजेता टीम को 31 हजार, चमचमाती ट्राफी और उपविजेता टीम को 11 हजार का नकद इनाम और ट्रॉफी भेंट की। पूर्व ब्लॉक प्रमुख रमोला ने कहा कि युवा मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए खेल को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। साथ ही इसे कॅरियर के रूप में भी लेकर आगे बढ़ें। इस मौके पर आयोजक समिति के अध्यक्ष पंकज बिष्ट, सेम टाईगर टीम के कप्तान राहुल राणा, ऋषभ राणा, आयुष राणा, राहुल रावत, दौलत रावत मौजूद रहे।

सपनों की उड़ान में जूनियर हाईस्कूल पैंदार्स बना चौंपियन

नई टिहरी संवाददाता. नरेंद्रनगर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पोखरी में सपनों की उड़ान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विधाओं का शानदार प्रदर्शन किया। जूनियर हाईस्कूल पैंदार्स ऑल ओवर चौंपियन रहा। पूर्व सीआरसी देवेंद्र सिंह नेगी, सीआरपी समन्वयक मीनाक्षी राणा ने संयुक्त से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानाध्यापिका सुशीला पंवार ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों का आत्मविश्वास बढता है। शिक्षक जगत सिंह असवाल ने बताया कि कुर्सी दौड़ में जूनियर हाईस्कूल पैंदार्स की मीना पयाल पहले, मीना बिजल्वाण द्वितीय रही, लोक गायन/लोक नृत्य में जूनियर हाईस्कूल पैंदार्स प्रथम, जूनियर स्कूल जखोली दूसरे और प्राथमिक विद्यालय लवा तीसरे स्थान पर रहे, रैम्प वाक में पैंदार्स पहले, जखोली दूसरे और प्राथमिक विद्यालय खगसाण तृतीय रहा।

छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

चमोली संवाददाता. शहीद सैनिक अजय लाल राजकीय इंटर कॉलेज थिरपाक में चमोली पुलिस की ओर से सड़क सुरक्षा व सामाजिक जागरूकता के जिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी। यातायात निरीक्षक योगेश सक्सेना ने सड़क पर चलने के सुरक्षित तरीके, यातायात संकेतों की पहचान, हेलमेट व सीट बेल्ट की अनिवार्यता, तेज गति से वाहन चलाने के दुष्परिणाम, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने से वाहन दुर्घटना के खतरे के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, नशा व ड्रग्स जैसी सामाजिक बुराई के बारे में जानकारी दी गयी।

प्रवासी उत्तराखण्डियों से संवाद का सशक्त मंच बना 'उत्तराखण्ड महोत्सव रोहिणी

– लोक संस्कृति को विकास से जोड़ने की दिशा में सरकार निरंतर कार्यरत : मुख्यमंत्री धामी
– महिला सशक्तिकरण, पर्यटन और संस्कृति के संरक्षण से मजबूत हो रहा नया उत्तराखण्ड
– प्रधानमंत्री के 'विकास भी, विरासत भी' मंत्र पर आगे बढ़ रहा राज्य

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली के रोहिणी में 'हम सबका उत्तराखण्ड' संस्था द्वारा आयोजित 'उत्तराखण्ड महोत्सव रोहिणी सीजनख्र02' में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रवासी उत्तराखण्डी, लोक कलाकार, युवा एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लोक कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और उत्तराखण्ड की संस्कृति, परंपराओं एवं लोक विरासत को समर्पित इस आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा 'उत्तराखण्ड के सितारे' सम्मान से सुप्रसिद्ध सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सौरभ जोशी, हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनोज गोरखेला तथा लोक गायिका कल्पना चौहान को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन लोक कलाकारों को मंच और सम्मान देने के साथ-साथ समाज को सेवा और संस्कारों की भावना से भी जोड़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति आज भी अपने गीतों, वेशभूषा और परंपराओं के माध्यम से जीवंत है तथा देश-विदेश में रहने वाले उत्तराखण्डी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह उल्लेख किया कि पारंपरिक गीत-संगीत और वेशभूषा के माध्यम से राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान स्पष्ट रूप से सामने आती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन आने वाली पीढ़ियों के लिए विशेष महत्व रखते हैं, क्योंकि इससे बच्चों और युवाओं में अपनी बोली, संस्कृति और परंपराओं के प्रति गर्व की भावना विकसित होती है। लोकनृत्य और लोकगीत राज्य की सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने देवभूमि उत्तराखण्ड को आस्था, तप, त्याग और साधना की भूमि बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगा-यमुना एवं आदि कैलाश जैसे पवित्र स्थलों के कारण विश्वभर में विशेष पहचान रखता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि स्वयं पहाड़ से जुड़े होने के कारण लोकसंस्कृति उनकी जीवनशैली और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा रही है, इसी सोच के साथ राज्य सरकार संस्कृति को विकास से जोड़ते हुए आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "विकास भी और विरासत भी" के मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों का पुनर्विकास इसी दृष्टिकोण से किया जा रहा है। केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्यों से न केवल आस्था को मजबूती मिली है, बल्कि पर्यटन और स्थानीय रोजगार को भी नया आयाम मिला है। मंदिर माला मिशनों के माध्यम से ध ार्मिक स्थलों का संरक्षण और विकास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड आज वेडिंग डेस्टिनेशन, एडवेंचर टूरिज्म और फिल्म शूटिंग के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। विंटर टूरिज्म, 'वेड इन उत्तराखण्ड' और होम-स्टे जैसी पहलों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। कृषि, दुग्ध उत्पादन, मधु उत्पादन और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर ग्रामीण आजीविका को सशक्त किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तैय्यब को 173वीं जयंती पर किया नमन

देहरादून संवाददाता. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अब्बास तैय्यब की 173वीं जयंती पर तस्मीया एकेडमी में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन पर चाय पर चर्चा के दौरान सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने महात्मा गांधी के साथी रहे आजादी के योद्धा के मसूरी स्थित आवास पर इनकी कब्र की जीर्ण शीर्ण पर चिंता व्यक्त की। संयुक्त नागरिक संगठन देहरादून के सचिव सुशील त्यागी ने बताया कि इनके आवास के सौंदर्यकरण को लेकर सरकार को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन दिया जाएगा। चर्चा में दून सिटीजन के जगमोहन मेहंदीरत्ता, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण समिति के मुकेश नारायण शर्मापेंशनर्स संगठन के गिरीश चंद भट्ट व हरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

शिक्षा व्यवस्था का सशक्त माध्यम बना विद्या समीक्षा केन्द्र

-तकनीक व डेटा विश्लेषण के जरिये शिक्षा प्रणाली में हो रहा व्यापक सुधार
-छात्रों व शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे चौटबॉट व ई-सृजन प्लेटफार्म

देहरादून संवाददाता.उत्तराखंड सरकार द्वारा स्थापित विद्या समीक्षा केन्द्र (टैज्ञ) प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, पारदर्शिता और डिजिटल निगरानी का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। इस अभिनव पहल के माध्यम से छात्रों की अधिगम प्रगति, शिक्षकों के प्रशिक्षण तथा विभागीय योजनाओं की निगरानी को डेटा-आधारित किया गया है, जिससे शिक्षण गुणवत्ता, उपस्थिति, प्रशिक्षण एवं संसाधन प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के मार्गदर्शन में प्रदेश की शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। इन्हीं सुधारों के क्रम में नई शिक्षा नीतिख्र2020 के प्रावधानों के तहत विद्या समीक्षा केन्द्र की स्थापना की गई है। इस केन्द्र के माध्यम से प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं परिणामोन्मुख बनाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि विद्या समीक्षा केन्द्र के माध्यम से छात्रों की साप्ताहिक अधिगम प्रगति की सतत निगरानी की जा रही है। इसके लिए सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत विषयवार क्विज एवं उपचारात्मक शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं 'मेरी उपस्थिति' चौटबॉट के माध्यम से विद्यार्थियों की रीयल-टाइम उपस्थिति दर्ज की जा रही है। इसके जरिए लगातार अनुपस्थित छात्रों की पहचान कर समय पर हस्तक्षेप किया जा रहा है, जिससे ड्रॉपआउट दर में कमी लाने में मदद मिल रही है शिक्षकों के लिए 'शिक्षक सहायक' चौटबॉट उपयोगी सिद्ध हो रहा है, जिसके माध्यम से पाठ योजनाएं, वर्कशीट और शिक्षण वीडियो उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही ई-सृजन प्लेटफार्म पर शिक्षकों को तकनीकी एवं विषयगत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक 92 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण पूर्ण किया गया, जो राज्य में क्षमता निर्माण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अतिरिक्त सीआरपी/बीआरपी द्वारा ऑन-साइट मेंटरिंग की निगरानी भी विद्या समीक्षा केन्द्र से की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार...

लोगों को किया वनाग्नि व मानव वन्यजीव संघर्ष को लेकर जागरुक

देहरादून संवाददाता. प्रमुख वन संरक्षक के निर्देश पर शनिवार को रायपुर रेंज के सौडा सिरौली गांव में जागरुकता अभियान चलाया। इस दौरान वनाग्नि से जंगलों की सुरक्षा को लेकर भी लोगों को जानकारी दी गई। प्रभाग दिवस के तहत आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान वन विभाग द्वारा क्षेत्रीय समस्याओं, मानव-वन्यजीव संघर्ष के न्यूनीकरण, मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व तथा आगामी वनाग्निकाल में वनाग्नि घटनाओं की रोकथाम को लेकर विस्तृत संवाद किया गया। रेंजर हरीश गैरोला ने बताया कि हर माह अंतिम शनिवार को प्रभाग दिवस मनाया जाता है। जिसके रेंज में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित हो किया गए। इस दौरान अनुभाग अधिकारी गोविन्द सिंह नगरकोटी सहित रायपुर रेंज का समस्त वन कर्मी उपस्थित रहे।

टीम ने किया कूड़ा निस्तारण प्लांट का निरीक्षण

देहरादून संवाददाता. नगर निगम के साथ पूर्व में अनुबंधित रही देहरादून वेस्ट मैनेजमेंट के विरुद्ध गतिमान आर्बिटेशन की कार्रवाई के तहत शनिवार को दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों ने शीशमबाड़ा स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट का संयुक्त निरीक्षण किया। ट्रिब्यूनल के आदेश के तहत टीम ने प्लांट परिसर में डंप लीगेसी वेस्ट और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके आधार पर संयुक्त रूप से विस्तृत रिपोर्ट तैयार होगी। नगर आयुक्त नमामी बंसल ने बताया कि निगम की ओर से मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना, उप नगर आयुक्त तनवीर मारवाह को मौके पर भेजा गया था। इसके अलावा पूर्व में प्लांट संचालन करने वाली कंपनी के पदाधिकारी मौजूद रहे। मौजूदा समय में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का संचालन कर रही।

तीन दिवसीय क्षमता अभिवृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

अल्मोड़ा संवाददाता. जन शिक्षण संस्थान अल्मोड़ा की ओर से कार्यालय स्टाफ और प्रशिक्षकों के लिए आयोजित तीन दिवसीय क्षमता अभिवृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हो गया। हवालबाग स्थित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में 29 से 31 जनवरी 2026 तक चले इस प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को स्वरोजगार, कौशल विकास और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान किशोरियों और महिलाओं के स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता, बैंकिंग प्रणाली, वित्तीय प्रबंधन, ऋण प्रबंधन और विपणन रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही प्रतिभागियों को वाक कौशल, उद्यमिता विकास और लघु उद्यम परियोजनाओं के निर्माण की तकनीकों से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम में सर्वेक्षण की विधि, लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया और स्वयं सहायता समूहों के गठन जैसे विषयों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र नैल्वाल और निदेशक सुरेश सिंह बिरौड़िया ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। उनके साथ विपिन सनवाल, उमेश गुरुरानी, लोकेश जोशी, संगीता विष्ट, दिवान राम आर्या, राजेंद्र सिंह रावत और आर.एस. विष्ट ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रशिक्षण में मुन्नी बोरा, लीला जोशी, ममता विष्ट, नेहा थापा, मनोज गुरुरानी, उमेश गुरुरानी, राजेंद्र सिंह रौतेला, तारा लटवाल, मंजू नगरकोटी, किरण सलाल, सुनीता जोशी, राकेश विष्ट, अंजु विष्ट सहित अनेक प्रशिक्षक और अनुदेशक शामिल रहे। समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य स्टाफ और प्रशिक्षकों की कार्यक्षमता को बढ़ाना है, ताकि वे ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रभावी ढंग से प्रेरित कर सकें।

भारत विकास परिषद के द्वारा एमपाआइसा के टीचर्स व स्टूडेंट्स सम्मानित

रामनगर संवाददाता. भारत विकास परिषद द्वारा विगत दिनों सम्पन्न कराये गए कार्यक्रमों गुरु वंदन छात्र अभिनंदन एवं भारत को जानो प्रतियोगिता कराई गई थी। विद्यालय के मीडिया प्रभारी हेम चन्द्र पाण्डे ने जानकारी दी कि, भारत विकास परिषद की ओर से गुरु वंदन छात्र अभिनंदन में दो अध्यापकों रसायन विज्ञान प्रवक्ता राजीव कुमार शर्मा तथा अंग्रेजी प्रवक्ता चेतन स्वरूप को सम्मानित किया गया एवं छात्रों में चेतन गोस्वामी तथा प्रशस्ति करगेती को सम्मानित किया गया।जबकि भारत को जानो प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर सीनियर वर्ग में चेतन गोस्वामी, यशस्वी फुलेरिया एवं नमन अधिकारी तथा जूनियर वर्ग में सारा कुरैशी, मौ0 फरहान एवं अंश को सम्मानित किया गया।

पुलभट्टा में 91 कछुओं के साथ दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार

– एटा से लाकर रुद्रपुर में एक हजार रुपये प्रति किलो अनुसार बेचते थे आरोपी

किच्छा,संवाददाता. पुलभट्टा पुलिस ने 91 जिंदा कछओं के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में दो महिलाएं शामिल है। आरोपी कछएटा यूपी से पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत केस दर्ज किया है।शनिवार सुबह लगभग पौने दस बजे एसआई दिनेश चंद्र भट्ट पुलिस कर्मियों के साथ ग्राम सुतईया की ओर जा रहे थे। इस बीच सतुईया गांव को जाने वाले तिराहे पर सड़क किनारे पर दो महिला व दो पुरुष हाथो में पीठू बैंग लिये खड़े दिखाई दिये। पुलिस की गाड़ी देखकर चारों लोग हड़बड़ा गये। शक होने पर पुलिस ने चारों लोगों को पकड़ लिया। पुलिस ने चारों लोगों के पास कुल पांच पीठू बैगों की तलाशी ली। पुलिस को बैगों कुल 91 जिंदा कछुए बरामद हुए। आरोपियों ने अपना नाम ओमा पत्नी महिपाल, कामनी पत्नी दीपू निवासी अलीगंज चुंगी हिन्दूनगर थाना सीटी कोतवाली जिला एटा हाल पता मंडी के सामने आवास विकास कालोनी थाना सिटी कोतवाली जिला एटा एवं विष्णु पुत्र सुनील, सनी पुत्र महिपाल निवासी जवाहरलाल नेहरु कालेज थाना सिटी कालोनी एटा बताया। आरोपियों ने बताया कि वह जिंदा कछुओं को एटा से खरीद कर रुद्रपुर में महिपाल नामक व्यक्ति को रुद्रपुर में बेचते थे। आरोपियों ने कछुओं को काट कर एक हजार रुपये प्रति किलो बेचने की बात बताई। पुलिस टीम में अउनि. प्रताप सुयाल, का. दीपक बिष्ट, चारु पन्त, मानवेन्द्र, तारा कोरंगा रहे। पुलभट्टा थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा कायम किया गया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। इस संबंध में वन विभाग से पत्राचार किया गया है। एसआई दिनेश भट्ट के अनुसार आरोपी कछुओं की तस्करी का काम करते थे। वह एटा से सस्ते दामों पर कछुए खरीद कर रुद्रपुर में एक हजार रुपये प्रति किलो के अनुसा बेचते थे। शनिवार को भी वह एटा से कछुए लाकर रुद्रपुर में महिपाल नामक व्यक्ति को देने जा रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके पास पैसे नहीं बचे थे। इसलिए वह गाड़ी से ग्राम सुतईया तिराहे पर उतर गए।

दुर्लभ प्रजाति के कछुए

किच्छा। तराई केंद्रीय वन प्रभाग रुद्रपुर डिप्टी रेंजर भगवती उपाध्याय ने बताया कि बरामद 62 कछुएं सुंदरी और 29 सॉफ्ट सेल टरटाइल प्रजाति के है। जोकि दुर्लभ प्रजाति में आती है। कोर्ट के आदेश बाद कछुओं को सुरक्षित जलाशय में छोड़ा जाएगा।

राजनगर में चल रहे भूमि बचाओ आंदोलन में धरना 29वें दिन धरना जारी

–सिडकुल में सैकड़ों एकड़ खाली पड़ी जमीन में उद्योग लगाने की मांग

शक्तिफार्म, संवाददाता. राजनगर में चल रहे भूमि बचाओ आंदोलन में शनिवार को 29 वें दिन भी धरना जारी रहा। धरने के 29वें दिन विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने आंदोलन को समर्थन दिया। वक्ताओं ने कहा कि शक्तिफार्म में बंगाली विस्थापितों को भूमि के पट्टे देकर बसाया गया। भूमि

खरीद बिक्री पर 216 पट्टे निरस्त किये गये। इन भूमि को खरीदने वालों के नाम वर्ग 20 में भूमि दर्ज है। ऐसे में सरकार इन भूमि में बैठे लोगों को भूमिधरी अधिकार देने के बजाय भूमि खाली कराकर उद्योग लगाने के लिए आवंटित कर रही है। जो गलत है। उन्होंने कहा कि जिस भूमि को खाली कराने की कोशिश हो रही है उससे 100 मीटर दूरी पर सिडकुल की भूमि है। सरकार को चाहिये कि सिडकुल की भूमि में मिल्क प्लांट लगाया जाये। उन्होंने कहा कि पट्टों में काबिज लोगों को उजड़ने नहीं दिया जायेगा। उन्होंने सरकार से गरीबों का दर्द देखकर भूमि पर नियमितीकरण की मांग की। यहां कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अध्यक्ष उत्तम आचार्य, भवतोष आचार्य, सुनीत हाल्दार, बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश महामंत्री नारायण हाल्दार, निरंजन माझी, निमाई, सुब्रतन बाईन मौजूद रहे।

रुद्रपुर रोडवेज परिसर से अतिक्रमण हटाया

–अवैध कब्जे वाले आवास किये ध्वस्त

–मंडलीय प्रबंधक पूजा जोशी के नेतृत्व में जेसीबी से अतिक्रमणकारियों के घरों का हुआ ध्वस्तीकरण,भारी पुलिस बल रहा तैनात

रुद्रपुर संवाददाता. रोडवेज परिसर से अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई के तहत शनिवार को एक और आवास को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्यवाही परिवहन विभाग के अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन की टीम ने संयुक्त रूप से की गई, जिसमें सुरक्षा के दृष्टि से भारी पुलिस बल तैनात था और ड्रोन की निगरानी में कार्यवाही संपन्न हुई।मंडलीय प्रबंधक संचालन काठगोदाम, पूजा जोशी ने बताया कि रुद्रपुर रोडवेज परिसर के फोरमैन आवास पर 12 पूर्व विभागीय कर्मचारियों ने अवैध रूप से कब्जा किया हुआ था। उन्हें 2021 में आवास खाली करने का नोटिस जारी किया गया था, लेकिन कब्जाधारियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने जिला न्यायालय में स्टे की याचिका दायर की, जिसे भी अदालत ने अस्वीकृत कर दिया। इससे पहले अप्रैल में 11 आवासों से कब्जा हटाया गया था। पूजा जोशी ने कहा कि शनिवार को एक और मकान को ध्वस्त किया गया, और अतिक्रमणकारियों के साथ नोकझोंक भी हुई। इस दौरान एआरएम हल्द्वानी संजय पांडे, सहायक महाप्रबंधक मनोज दुर्गापाल, गणेश पंत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।प्रशासनिक टीम में नायब तहसीलदार देवेंद्र सिंह, कानून गो राजेश सिंह राणा, हल्का लेखपाल विजय गुप्ता सहित कई प्रशासनिक अधिकारी इस कार्यवाही में शामिल रहे।

एनएसयूआई ने फूंका ऊर्जा निगम का पुतला

– मानक से अधिक बिल भेजकर जमा करने पर बना रहे दबाव

– रीडिंग के अनुसार भेजें बिजली का बिल

बागेश्वर, संवाददाता. घरेलू उपभोक्ताओं के लाखों के बिल दिए जाने पर एनएसयूआई ने कड़ी आपत्ति जताई है। नाराज कार्यकर्ताओं ने विरोध में प्रदर्शन किया। ऊर्जा निगम पर भारी भरकम बिलों को जमा करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। सख्त लहजे में कहा कि यदि विभाग समय पर नहीं चेता तो उसके खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष कमलेश गडिया के नेतृत्व में कार्यकर्ता शनिवार को बीडी पांडेय कैंपस गेट पर एकत्रित हुए। यहां नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि ऊर्जा निगम लगातार मानक के खिलाफ बिल भुगतान करने करने के लिए कह रही है। जो अन्याय है। बिजली विभाग वसूली बंद करें और जितना बिजली उपभोग किया जा रहा है उतना ही बिल भुगतान करने के लिए भेजे। लाखों का बिल भेजकर लोगों को मानसिक तकलीफ पहुंचा रहे हैं। इतना ही नहीं बिल जमा करने का दबाव बना रही है। बिजली समय पर जमा नहीं करने पर कनेक्शन काटने तक की धमकी दी जा रही है।

भूमि बचाओ आंदोलन में 29वें दिन भी जारी रहा धरना

रुद्रपुर संवाददाता. राजनगर में चल रहे भूमि बचाओ आंदोलन में शनिवार को 29वें दिन भी धरना जारी रहा। विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने आंदोलन को समर्थन दिया। वक्ताओं ने कहा कि शक्तिफार्म में बंगाली विस्थापितों को भूमि के पट्टे देकर बसाया गया। भूमि खरीद बिक्री पर 216 पट्टे निरस्त किए गए। इन भूमि को खरीदने वालों के नाम वर्ग 20 में भूमि दर्ज है। ऐसे में सरकार इन भूमि पर बसे लोगों को भूमिधरी अधिकार देने के बजाय भूमि खाली कराकर उद्योग लगाने के लिए आवंटित कर रही है, जो गलत है। उन्होंने कहा कि जिस भूमि को खाली कराने की कोशिश हो रही है, उससे 100 मीटर दूरी पर सिडकुल की भूमि है।

मेडिकल स्टोर पर छापेमारी में नशे में प्रयोग होने वाले इंजेक्शन बरामद

– मेडिकल स्टोर संचालक गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

किच्छा, संवाददाता.औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोर पर छापेमारी करते हुए नशे के लिए उपयोग में लाए जाने वाले अंग्रेजी दवा के 2160 कैप्सूल बरामद किए। पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है। शुक्रवार को औषधि निरीक्षक शुभम कोटनाला ने एसओटीएफ व स्थानीय पुलिस के साथ सयुंक्त कार्यवाही करते हुए ग्राम बंडिया स्थित संतोष मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की। टीम ने छापेमारी के दौरान मेडिकल स्टोर से नशे के लिए उपयोग में लाए जाने वाले अंग्रेजी दवा के 2160 कैप्सूल बरामद किए। टीम ने मेडिकल स्टोर संचालक को गिरफ्तार कर लिया। संचालक ने अपना नाम संतोष कुमार पुत्र हेमराज निवासी ग्राम छिनकी दरऊ बताया। संचालक टीम को कैप्सूल के वैध बिल दिखाने में असमर्थ रहा। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसे रुद्रपुर निवासी एक युवक कैप्सूल लाकर देता है। वह विकलांग व्यक्ति है। वह पैसो के लालच में नशेड़ी व्यक्तियों को नशे के इंजेक्शन बेचता था। कोतवाल प्रकाश सिंह दानू ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया गया है। टीम में एसओटीएफ प्रभारी दीपा अधिकारी, एसआई दीपक जोशी, अउनि. भगवंत सिह हेका. कुलदीप आर्या, हरवंश सिह राणा रहे।

एसएसजे मेडिकल कॉलेज ने अथरबनी में चलाया फैमिली एडॉप्शन कार्यक्रम

अल्मोड़ा संवाददाता. सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान (एसएसजे मेडिकल कॉलेज) अल्मोड़ा के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा शनिवार को ग्रामसभा अथरबनी में फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग एनएमसी के मानकों के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य एमबीबीएस

विद्यार्थियों को सामुदायिक स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ते हुए उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। कार्यक्रम संस्थान के प्राचार्य डॉ. चंद्र प्रकाश भैसोड़ा एवं कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मसरूफ हसन के निर्देशन में संपन्न हुआ। फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम के अंतर्गत एमबीबीएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने गांव के परिवारों को गोद लेकर उनका स्वास्थ्य एवं सामाजिक सर्वेक्षण किया। प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा तीन परिवारों को अपनाया गया, ताकि वे परिवारों की स्वास्थ्य स्थिति, स्वच्छता, जीवनशैली और आवश्यकताओं को समझते हुए उचित स्वास्थ्य परामर्श दे सकें। कार्यक्रम के तहत भविष्य में आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की भी योजना बनाई गई है। ग्राम प्रधान विनोद जोशी ने इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे एक ओर विद्यार्थियों को जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का अनुभव मिलेगा, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त होगा। इस कार्यक्रम में एमबीबीएस प्रथम वर्ष बैच 2025 के कुल 50 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। आयोजन में ग्राम प्रधान विनोद जोशी का विशेष सहयोग रहा। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की ओर से नरेश कुमार आगरी, दीप चंद्र एवं मोहम्मद इकबाल चिकित्सकीय समाज कल्याण अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे।

बहुउद्देशीय शिविरों में 2052 लोगों को मिला लाभ

अल्मोड़ा संवाददाता. जनपद में श्जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वारश् कार्यक्रम के अंतर्गत दो स्थानों पर बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिला और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। इन दोनों शिविरों से कुल 2052 लोग लाभान्वित हुए, जबकि 195 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। विकासखंड लमगड़ा की न्याय पंचायत बड़ियार बिष्ट के त्युनरा में आयोजित शिविर में सचिव उत्तराखंड शासन एस. रविशंकर ने प्रतिभाग कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस शिविर के माध्यम से 381 लोगों को विभिन्न विभागीय योजनाओं का सीधा लाभ दिया गया, जबकि प्राप्त 49 शिकायतों का तत्काल समाधान किया गया। सचिव उत्तराखंड शासन ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसकी मूल भावना के अनुरूप सभी अधिकारी अपने दायित्वों का जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों को राहत मिल सके।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मोना सिंह महिलाओं को एक्सपायरी डेट मिलने पर बोलीं- मुझे उम्र की परवाह नहीं

जस्सी जैसी कोई नहीं टीवी शो से लोकप्रिय हुई मोना सिंह इन दिनों धड़ाधड़ फिल्में और सीरीज कर रही हैं। हाल ही में उन्हें बॉर्डर 2 और हैप्पी पटेल जैसी फिल्मों में देखा गया। अब उनकी सीरीज कोहरा 2 नेटफ्लिक्स पर आने के लिए तैयार है। प्रमोशन के दौरान 40 वर्षीय मोना ने पर्दे पर 50 और 60 साल की उम्र के किरदार पर बात की। साथ ही सिनेमा जगत में महिलाओं को एक्सपायरी डेट दिए जाने पर प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री बोलीं, मुझे पर्दे पर अपनी उम्र की परवाह नहीं। सच में नहीं, क्योंकि मैं बहुत आत्मविश्वासी हूं और मैं जानती हूं कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है, इसीलिए मैं जोखिम लेती रहती हूं। लोग हमेशा मुझसे पूछते हैं, आप पर्दे पर इतनी उम्रदराज क्यों दिखती हैं? मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये वो किरदार है जिसे मैं निभा रही हूं। ये मुझे उत्साहित करता है।

उन्होंने आगे कहा, सिनेमा में महिलाओं के लिए एक समय सीमा तय कर दी जाती है। ये बेहद दुखद है। 60 साल के अभिनेता अभी भी रोमांटिक मुख्य किरदार निभा सकते हैं, लेकिन अभिनेत्रियां नहीं। हालांकि मुझ इसकी परवाह नहीं क्योंकि मैं वैसी बनना ही नहीं चाहती थी। गुंजित चोपड़ा, डिग्गी सिसोदिया और सुदीप शर्मा द्वारा निर्मित कोहरा 2 नेटफ्लिक्स पर 11 फरवरी को दस्तक देगी। मोना सीरीज में दमदार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं।

श्रुति हासन के करियर की सबसे सफल फिल्म, रेटिंग में नंबर 1 और कमाई में ब्लॉकबस्टर

अभिनेत्री और गायिका श्रुति हासन 39 साल की हो गई हैं। कमल हासन की विरासत को अपनी मेहनत और प्रतिभा से आगे बढ़ाने वाली श्रुति ने न केवल दक्षिण भारतीय फिल्मों में, बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज हम आपको बताएंगे उनकी उस फिल्म के बारे में, जो न केवल बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही, बल्कि आईएमडीबी पर भी सबसे ज्यादा रेटिंग के साथ दर्शकों और समीक्षकों की पहली पसंद बनी हुई है।

श्रुति ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन साल 2015 में आई श्रीमंथुडू ने उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुँचा दिया। कोरतल्ला शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में श्रुति ने न केवल अपनी खूबसूरती, बल्कि अपने संजीदा अभिनय से भी लोगों को प्रभावित किया। इस फिल्म को आईएमडीबी पर 7.5 रेटिंग मिली है, जो किसी भी कमर्शियल मसाला फिल्म के लिए बहुत प्रभावशाली मानी जाती है। इतनी रेटिंग श्रुति की किसी भी फिल्म को नहीं मिली है।फिल्म में श्रुति द्वारा निभाए गए चारुसीला के किरदार को काफी सराहा गया। समीक्षकों ने महेश बाबू के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को फिल्म की जान बताया। गांव को गोद लेने और अपनी जड़ों से जुड़ने की इस भावनात्मक एक्शन ड्रामा फिल्म ने दर्शकों के दिलों को छू लिया। इसने श्रुति को वो मुकाम दिया, जहां से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिल्म में उन्होंने एक ऐसी लड़की की भूमिका निभाई, जो स्वतंत्र, शिक्षित और मजबूत विचारों वाली है।श्रीमंथुडू 2015 की सबसे कमाऊ फिल्मों में से एक थी। इसने दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी। उस समय के हिसाब से ये एक अविश्वसनीय आंकड़ा था। जिस दौर में बाहुबली: द बिगिनिंग ने पूरे भारत में तहलका मचा रखा था, उसी साल रिलीज हुई श्रीमंथुडू ने अपना अलग मुकाम बनाया। ये बाहुबली के बाद तेलुगू सिनेमा के इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी। फिल्म का बजट 60 करोड़ था।नंदी पुरस्कार से लेकर फिल्मफेयर पुरस्कार तक जीतने वाली इस फिल्म ने श्रुति की फिल्मावली में चार चांद लगा दिए थे। श्रुति की आने वाली फिल्मों की बात करें तो प्रभास के साथ सालार की सफलता के बाद श्रुति अब इसके दूसरे भाग सालार: पार्ट 2 - शौर्याग पर्व में अपनी भूमिका को आगे बढ़ाएंगी। उनके पास थ्रिलर फिल्म ट्रेन भी है, जिसमें उनके साथ अभिनेता विजय सेतुपति नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी ट्रेन यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है।

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस: भारत में 250 करोड़ के करीब पहुंची फिल्म, छठे दिन हुआ इतना कलेक्शन

बॉर्डर 2 अपना पहला हफ्ता पूरा करने जा रही है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपने छह दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म ने अपने पहले वीकेंड शानदार कलेक्शन किया और फिर इसके बाद फिल्म की कमाई गिरना शुरू हो गई. पांचवें और छठे दिन बॉर्डर 2 का कलेक्शन डाउन हुआ है. हालांकि फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर स्ट्रॉन्ग कंडीशन में है. सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ स्टारर फिल्म बॉर्डर 2 घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5 दिनों में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और अपने दूसरे वीकेंड में कमाई का यह आंकड़ा 300 करोड़ रुपये पहुंचाने की कोशिश करेगी. इससे पहले जानेंगे फिल्म ने छठे दिन कितनी कमाई की है. बॉर्डर 2 ने पहले ही दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 32.10 करोड़ रुपये से खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म ने 40.59 करोड़ रुपये कमाए और तीसरे दिन यानी पहले रविवार फिल्म ने 57.20 करोड़ रुपये कमाकर शानदार वीकेंड पूरा किया. बॉर्डर 2 ने पहले वीकेंड 129.80 करोड़ रुपये कमाए. फिल्म ने रपब्लिक डे पर 63. 59 करोड़ रुपये की कमाई की थीं. पांचवें दिन मंगलवार को फिल्म ने 23.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया.

दृश्यम 3 रिलीज डेट का एलान, 2 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी मोहनलाल की फिल्म

मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है. मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. रिलीज डेट को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर ऑफिशियली अनाउंस किया. यह डेट काफी खास है, क्योंकि यह अजय देवगन से जुड़ा हुआ है. इस अनाउंसमेंट से फ्रेंचाइजी के फैंस में काफी दिलचस्पी पैदा हुई है, जो जॉर्जकुट्टी की कहानी के आगे बढ़ने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे.दिलचस्प बात यह है कि मोहनलाल की दृश्यम 3 हिंदी रीमेक से छह महीने पहले रिलीज होगी. इस अनाउंसमेंट के साथ मोहनलाल ने एक वीडियो पोस्ट भी किया गया, जिसमें फैंस को कहानी के बारे में कोई भी डिटेल बताए बिना फिल्म की एक झलक दिखाई गई.फिल्म की रिलीज के बारे में जानकारी देते हुए मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल ने एक्स हैंडल पर अनाउंसमेंट टीजर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, साल बीत गए, लेकिन अतीत नहीं बीता, दृश्यम3 वर्ल्डवाइड रिलीज 2 अप्रैल, 2026.मलयालम फिल्म दृश्यम 3 2 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3 की शूटिंग दिसंबर 2025 में पूरी हो गई थी. मेकर्स ने रैप-अप वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था. वहीं, अजय देवगन के हिंदी वर्जन की रिलीज 2 अक्टूबर, 2026 को तय है. दिसंबर 2025 में, हिंदी वर्जन के मेकर्स ने इसका प्रोमो ऑनलाइन जारी कर इसकी जानकारी दी थी.आगामी फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में वापसी कर रहे हैं, उनके साथ मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, आशा शरथ, मुरली गोपी, सिद्दीकी और अन्य कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहराएंगे.

डॉन 3 को ठंडे बस्ते में डालकर इस फिल्म में जुटे फरहान अख्तर, बनाई ये योजना

फरहान अख्तर की डॉन 3 का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है। रणवीर सिंह के अचानक पीछे हटने के बाद फिल्म फिर ठंडे बस्ते में जाती दिख रही है। बीच में खबर थी कि फिल्म के लिए ऋतिक रोशन और शाहरुख खान से बातचीत चल रही है, लेकिन अब चर्चा है कि फरहान इससे ध्यान हटाकर अपनी दूसरी परियोजना पर काम शुरू करना चाहते हैं। वह अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जी ले जरा पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, फरहान को लगता है कि डॉन 3 की कास्टिंग होना जरूरी है, लेकिन वह आश्वत होना चाहते हैं कि इस भूमिका को कौन निभाएगा। यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि अभिनेता फिलहाल अपने ड्रीम प्रोजेक्ट जी ले जरा को पटरी पर लाना चाहते हैं। इसमें मुख्य किरदार के लिए वह प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ से दोबारा संपर्क कर रहे हैं। हालांकि आधिकारिक ऐलान का इंतजार है।खबरों के मुताबिक, जी ले जरा की स्क्रिप्ट तैयार है, फाइनल भी हो चुकी है, लेकिन निर्माताओं को शूटिंग की तारीखें तय करने में मुश्किल आ रही है। एक समय पर प्रियंका, आलिया और कैटरीना के साथ शूट करने के लिए तारीखों का तालमेल बैठाना बहुत जरूरी है।

हरिद्वार में हुई एचआरडीए के कार्यों की अहम समीक्षा बैठक

- प्रधानमंत्री आवास और शहरी विकास को मिलेगी नई गति, आवास, मास्टर प्लान और यूनिटी मॉल पर सरकार का फोकस, डॉ. आर. राजेश कुमार ने एचआरडीए को दिए स्पष्ट निर्देश

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में सुनियोजित शहरी विकास, पारदर्शी आवास व्यवस्था और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासन स्तर पर विकास प्राधिकरणों की नियमित समीक्षा की जा रही है, ताकि योजनाओं का लाभ आम जनता तक समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पहुँच सके। सचिव आवास विकास एवं राज्य सम्पत्ति उत्तराखण्ड, डॉ. आर. राजेश कुमार ने शुक्रवार को हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) के सभागार में समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने एचआरडीए द्वारा एकत्र किए गए राजस्व, एकल एवं गैर-एकल आवासीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। सचिव ने निर्देश दिए कि आवासीय आवेदनों पर शासन स्तर से लगाई गई आपत्तियों का त्वरित निस्तारण कर उन्हें तत्काल शासन को प्रेषित किया जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना में गुणवत्ता और पारदर्शिता पर जोर: समीक्षा के दौरान सचिव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों में पूर्ण पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य केवल निर्माण नहीं, बल्कि नागरिकों को सुरक्षित और टिकाऊ आवास उपलब्ध कराना है।मास्टर प्लान, सौंदर्यकरण और थर्ड पार्टी ऑडिट पर फोकस : डॉ. आर. राजेश कुमार ने विगत वर्षों में किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए पार्किंग स्थलों, सड़क किनारे सौंदर्यकरण, गमलों के रखरखाव और नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। साथ ही मास्टर प्लान को प्राथमिकता बताते हुए कार्यों में कमियों की पुनरावृत्ति रोकने और थर्ड पार्टी एजेंसी से गुणवत्ता जांच कराने पर जोर दिया।

यूनिटी मॉल का स्थलीय निरीक्षण, काम में तेजी के निर्देश : बैठक के बाद सचिव ने निर्माणाधीन यूनिटी मॉल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि यह प्रधानमंत्री की प्राथमिक परियोजना है, जिस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विशेष फोकस है। वर्तमान में लगभग 45 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। भारत सरकार से प्राप्त किस्त जारी कर दी गई है, शेष एस्केलेशन प्रस्ताव शीघ्र भेजने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कार्य में तेजी लाई जा सके।

'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' को मिलेगा नया मंच : एचआरडीए सचिव मनीष कुमार सिंह ने जानकारी दी कि 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के तहत हरिद्वार जनपद का चयन किया गया है। यूनिटी मॉल में 54 शॉप और 3 मल्टी कॉम्प्लेक्स बनाए जा रहे हैं, जहां देश के सभी राज्यों और उत्तराखंड के 13 जनपदों के स्थानीय उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे।डॉ. आर. राजेश कुमार का बयान : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि शहरी विकास योजनाएं पूरी पारदर्शिता, गुणवत्ता और जनहित के साथ लागू हों। एचआरडीए द्वारा किए जा रहे कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण, समयबद्ध क्रियान्वयन और जनआवश्यकताओं को प्राथमिकता देना आवश्यक है। यूनिटी मॉल जैसी परियोजनाएं न केवल स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय मंच देंगी, बल्कि रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देंगी। सभी विकास प्राधिकरणों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मास्टर प्लान के अनुरूप कार्य करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

रणजी ट्रॉफी के अहम मुकाबले में उत्तराखंड की जीत पक्की

देहरादून संवाददाता. दून के अभिमन्यू क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में उत्तराखंड और असम के बीच चल रहे एलीट वर्ग के मुकाबले के तीसरे दिन उत्तराखंड ने असम पर अपना शिकंजा कस दहै। उत्तराखंड को पारी से जीत हासिल करने के लिए असम के केवल चार विकेट की जरुरत है। शनिवार को सुबह मैच शुरु हुआ और इसके साथ असम के विकेटों की पतझड़ भी शुरू हो गई। तीसरे दिन चार विकेट पर 91 से आगे खेलते हुए पूरी टीम 69.1 ओवर में 140 रन पर आउट हो गई। उत्तराखंड की ओर से आदित्य रावत ने 10.1 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए। मयंक मिश्रा ने 27 ओवर में 36 रन देकर 3 विकेट लिए। जगदीशा सुचिथ ने 16 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। उत्तराखंड के कप्तान कुणाल चंदेला ने असम को दुबारा बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इस बार भी असम दबाव से उबर नहीं पाया और नियमित अंतराल पर विकेट खोता रहा। असम की ओर से निहार देका(52), स्वरुपम पुरकेष्ठा(51') रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने तक असम 70 ओवर में 6 विकेट खोकर 224 रन बना चुका था। उत्तराखंड को पारी से जीत के लिए रविवार को अंतिम दिन असम के बचे चार विकेट गिराने होंगे। असम अभी भी उत्तराखंड के पहली पारी के स्कोर से 96 रन दूर है। दूसरी पारी में मयंक मिश्रा ने 28 ओवर में 74 रन देकर 4 विकेट लिए। वह दोनों पारियों में मिलाकर सात विकेट ले चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार...

विधायक खजानदास ने किया राजा रोड में क्षतिग्रस्त सीवर लाइन कार्य का शिलान्यास

देहरादून संवाददाता. राजपुर रोड विधायक खजानदास ने शनिवार को लक्ष्मी पार्क राजा रोड क्षेत्र में विभिन्न गलियों में सीवर लाइन बिछाने व इससे जुड़े अन्य कार्यों का शिलान्यास किया। सीवर समस्या के समाधान की स्थानीय लोग पिछले कई सालों से मांग कर रहे थे। यह कार्य 35.66 लाख रुपए की लागत से होगा। विधायक खजानदास ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के झंडा वार्ड क्षेत्र के कुछ हिस्सों में निवासरत हजारों की आबादी पिछले काफी समय से सीवर लाइन की समस्या से जूझ रही थी। उन्हें बार-बार सीवरेज टैंकों की सफाई करवानी पड़ती थी। संकरी गलिया होने के कारण उनकी समस्या और भी बढ़ जाती थी। जनहित में इसका संज्ञान लेते हुये समाधान किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद वैभव अग्रवाल, भाजपा नेता गोपालपुरी, मंडल अध्यक्ष पंकज शर्मा, सहायक अभियन्ता जल संस्थान राघवेन्द्र डोभाल सहित भाजपा कार्यकर्ता एंव स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

एम्बेलिश मिसेज इंडिया 2026श सीजन-4 का ग्रैंड फिनाले धूमधाम से संपन्न

देहरादून संवाददाता. हरिद्वार बाईपास स्थित संस्कृति विभाग के ऑडिटोरियम में श्एम्बेलिश मिसेज इंडिया 2026श सीजन-4 का ग्रैंड फिनाले धूमधाम से संपन्न हुआ। एम्बेलिश टैलेंट मैनेजमेंट की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों जैसे यूपी, मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली, हिमाचल और उत्तराखंड की 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान महिलाओं ने टैलेंट, ट्रेडिशनल, वेस्टर्न और गाउन राउंड में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। टैलेंटेड राउंड में शानदार रैंप वॉक से जहां दर्शकों का मन मोहा, वहीं, ट्रेडिशनल राउंड में विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक वेशभूषा प्रदर्शित की गई। डायरेक्टर ख्याति शर्मा ने बताया कि यह प्रतियोगिता सिल्वर, गोल्ड और प्लेटिनम श्रेणियों में आयोजित की गई। इन तीनों श्रेणियों की विजेता महिलाएं सितंबर में दुबई में आयोजित होने वाले श्मिसेज टूरिज्मश में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी, जहां 80 देशों की प्रतिभागी हिस्सा लेंगी। निर्णायक मंडल में पूनम शर्मा, इंद्राणी पांधी, शैला बिलाल, स्वर्लीन कौर और दीप्ति पंत रहीं।

समरसता के संदेश के साथ निकली संत रविदास की शोभायात्रा

देहरादून संवाददाता.संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के विचारों और संत शिरोमणि गुरु रविदास के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और "जय भीम" के नारों के साथ सामाजिक समरसता, समानता और संविधान के मूल्यों का संदेश दिया। शनिवार को शोभायात्रा का आयोजन जिला रविदास सभा देहरादून एवं आम्बेडकर युवक संघ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा की शुरुआत डीएल रोड से हुई। जो बेनी बाजार, ऑरिएंट चौक, पलटन बाजार, राजा रोड, तहसील चौक, कनक चौक, सर्वे चौक होते हुए वापस डीएल रोड पर समाप्त हुई। शोभायात्रा में संत रविदास, डॉ.आम्बेडकर के जीवन वृत को दर्शाती झांकियां शामिल थी।

शीतकालीन यात्राः आस्था के पथ पर नया अध्याय

- पहाड़ पर शीतकाल में वीरानी नहीं, बल्कि यात्रियों के उत्साह के हो रहे दर्शन

देहरादून संवाददाता. शीतकाल में पहाड़ पर इस बार भी वीरानी नहीं है, जो कि चार धामों के कपाट बंद हो जाने के बाद अक्सर दिखाई देती थी। पिछले वर्ष से शुरू हुई शीतकालीन यात्रा के बाद पहाड़ में तस्वीर बदली हुई है। यात्रियों की चहल-पहल सुखद अनुभूति करा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल भर पहले उत्तराखंड आकर जिस शीतकालीन यात्रा का प्रमोशन किया था, वह अब तेजी से आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार के भगीरथ प्रयासों से उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा एक नया अध्याय लिख रही है। चारों धामों से संबंधित पांडुकेश्वर, ऊखीमठ, मुखवा और खरसाली जैसे शीतकालीन प्रवास स्थलों तक देश-दुनिया के यात्री अच्छी-खासी संख्या में पहुंच रहे हैं। इस बार चार धाम यात्रा के कपाट बंद होने के बाद से अभी तक 34,140 यात्री इन स्थानों पर पहुंच चुके हैं। अभी करीब ढाई महीने शीतकालीन यात्रा अभी और चलनी है। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जबकि राज्य सरकार के स्तर पर सफलतापूर्वक शीतकालीन यात्रा का संचालन किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में जब पहली बार यह यात्रा शुरू की गई, तो तब 73,381 यात्री शीतकालीन यात्रा पर उत्तराखंड आए थे।शीतकालीन यात्रा में ऊखीमठ सबसे आगे : शीतकालीन यात्रा में अभी तक सबसे ज्यादा यात्री बाबा केदारनाथ के गद्दीस्थल ऊखीमठ पहुंचे हैं। चार धाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन के विशेष कार्याधिकारी डॉ . प्रजापति नौटियाल के अनुसार-अभी तक सबसे ज्यादा 20,338 यात्रियों ने ऊखीमठ में दर्शन किए हैं। इसके बाद, ज्योर्तिमठ में यात्री पहुंचे हैं। खरसाली और मुखवा में भी लगातार यात्री दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। डॉ .नौटियाल के अनुसार-एक से डेढ़ हजार यात्री प्रतिदिन उत्तराखंड पहुंचकर शीतकालीन प्रवास स्थलों पर दर्शन कर रहा है।शीतकाल में पर्यटक स्थलों पर भी चहल-पहल: शीतकालीन यात्रा के प्रमोशन के बाद तमाम पर्यटक स्थलों पर भी काफी यात्री पहुंच रहे हैं। राज्य सरकार की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा पर्यटक शीतकाल में उत्तराखंड पहुंचे। इस क्रम में स्नो लैपर्ड टूर, टूर एंड ट्रैवल्स कॉन्कलेव जैसे आयोजनों पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है।कोट---शीतकालीन यात्रा लगातार दूसरे वर्ष भी सफलतापूर्वक ढंग से चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पिछली बार मुखवा व हर्षिल आकर जिस तरह से उत्तराखंड की इस यात्रा का देश-दुनिया में प्रमोशन किया, उसके सार्थक नतीजे निकल रहे हैं। देश-दुनिया के लोग शीतकाल में भी उत्तराखंड आकर पवित्र स्थलों के दर्शन कर रहे हैं। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को देख रहे हैं। बारहमासी यात्रा की सफलता से स्थानीय लोगों का रोजगार भी फल-फूल रहा है। राज्य सरकार शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। - पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। सम्पादक - राजेश पंत
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़ने के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com